

# चरित्र निर्माण से ही व्यक्ति निर्माण और राष्ट्र निर्माण सम्भव- कैप्टन रामेश्वर सिंह ठाकुर.

**दैनिक आकाश जमशेदपुर/पुन्नी**  
राजकीय महाविद्यालय धामी, सोलह मील में कैप्टन काउन्सिलिंग सेल द्वारा वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कैप्टन राहुदेव ठाकुर स्टेरिज का अर्पण किया जा रहा है। इस महासम्मेलन का शुभारंभ कैप्टन रामेश्वर सिंह ठाकुर, चेन्नमैन, विमानत प्रदेश सर्वोच्च अध्येक्षक द्वारा वीर प्रमोदसैन एवं सरस्वती बंदरा के साथ संभल हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विदेश सिंह कंधार ने मुख्य अतिथि का औपचारिक स्वागत करते हुए उन्हें

महाविद्यालय के विजय, जीतों तथा विगत एक दशक की प्रमुख उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस लेखक स्टेरिज के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा रोजगार की संभावनाओं के संबंध में विषय-विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत निर्माण, चरित्र निर्माण और साक्षात्कार के लिए क्षमता निर्माण आदि विषयों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। अपने उद्घाटन संबोधन में प्रमुखअतिथि रामेश्वर सिंह ठाकुर ने कहा कि युवा-विप्लव के इस युग में चरित्र के सही विकास का चयन



विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुक है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण, अनुशासित दिनचर्या, उच्चतम विद्यार्थियों को अपनी प्रथमवीं समग्र प्रबंधन तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी हेतु चतन एवं रोजगारबद्ध परिष्करण करने को इच्छा दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रथमवीं समग्र प्रबंधन तथा चरित्र एवं क्षमता के अनुकूल

चरित्र चुनने तथा बदलने वैयक्तिक परिवर्तन के अनुकूल आवश्यक कौशल विकसित करने का सुझाव दिया। चरित्र के चुनाव में उन्होंने एक गोल्डन रूलन पर बल दिया, जिसमें रुचि और स्व-क्षमता संतुलन को प्राथम्यता प्रदान करें, उन्होंने यह भी कहा कि एक सच्चे सफल और उन्नत राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को सबसे पहले एक सकारात्मक मनुष्य बनने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर कैप्टन रामेश्वर सिंह ठाकुर ने महाविद्यालय के ई-म्यूजिकोटर कैपस प्रोजेक्ट के प्रथम अंक का विधोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान

वाचिपन संकलन के अलावा भारतीय संस्कृति के महान कल्पने ने एकरा पीठ प्रभुति के माध्यम से विभिन्न चरित्र विकल्पों, तैयारी की रणनीतियों एवं रोजगार संभावनाओं पर उपदेशों एवं धारणाओं को प्रस्तुत की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्यकण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके चरित्र चयन में उत्पन्न विरा प्रदान करना तथा उन्हें जीवन की चुनौतियों के लिए जागरूक, सक्षम और आत्मनिर्भरता से बचन है।